



QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: एशिया 2024

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वैश्विक उच्च शिक्षा थिंक-टैंक क्वाकवरेली साइमंड्स द्वारा QS एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग: एशिया 2024 जारी की गई है, जिसमें एशिया के कुल 856 विश्वविद्यालयों की व्यापक सूची में भारत के 148 विश्वविद्यालय शामिल हैं।

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग क्या है?

- **QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग** प्रतियोगिता क्वाकवरेली साइमंड्स (QS) द्वारा जारी की जाती है।
- इस रैंकिंग में विश्व भर के विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन और गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है।
- यह कार्यप्रणाली शैक्षणिक प्रतियोगिता, संकाय-छात्र अनुपात, नयिकता प्रतियोगिता, स्थिरता, रोजगार परिणाम, अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान नेटवर्क, प्रतिसंकाय उद्धरण, अंतरराष्ट्रीय संकाय अनुपात और अंतरराष्ट्रीय छात्र अनुपात जैसे संकेतकों पर विचार करती है।
- इसके तहत विषय, क्षेत्र, छात्र शहर, बिजनेस स्कूल और स्थिरता के आधार पर रैंकिंग प्रदान की जाती है।

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: एशिया 2024 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **शीर्ष रैंकिंग विश्वविद्यालय:**
 - इस सूची में **पेकिंग यूनिवर्सिटी (चीन)** शीर्ष पर है, इसके बाद हॉन्गकॉन्ग यूनिवर्सिटी (हॉन्गकॉन्ग) तथा नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सियांगपुर (NUS), सियांगपुर हैं।
- **भारतीय विश्वविद्यालयों का प्रदर्शन:**
 - IIT बॉम्बे ने भारत में अपनी शीर्ष रैंकिंग बरकरार रखी है और एशिया में 40वें स्थान पर है।
 - सात भारतीय संस्थान एशिया के शीर्ष 100 में शामिल हैं, जिनमें से पाँच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) हैं, साथ ही भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बैंगलोर और दिल्ली विश्वविद्यालय भी हैं।
 - अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों की बढ़ती दृश्यता भारत के उच्च शिक्षा परदृश्य के विस्तार और वैश्विक अनुसंधान में इसके योगदान को दर्शाती है।

Indian Universities in QS World University: Asia 2024 - Top 200					
2024	2023	Change	QS WUR	Institution	Location
40	40	0	149	Indian Institute of Technology Bombay (IITB)	Mumbai
46	46	0	197	Indian Institute of Technology Delhi (IITD)	Delhi
53	53	0	285	Indian Institute of Technology Madras (IITM)	Chennai
58	52	6	225	Indian Institute of Science	Bangalore
59	61	2	271	Indian Institute of Technology Kharagpur (IIT-KGP)	Kharagpur
63	66	3	278	Indian Institute of Technology Kanpur (IITK)	Kanpur
=94	85=	9	407	University of Delhi	Delhi
111	124=	13	364	Indian Institute of Technology Guwahati (IITG)	Guwahati
116	114	2	369	Indian Institute of Technology Roorkee (IITR)	Roorkee
117	119	2	606	Jawaharlal Nehru University	Delhi
149	185=	36	777	Chandigarh University	Chandigarh
163	173	10	888	Vellore Institute of Technology (VIT)	Vellore
=171	205=	34		Bharathiar University	Coimbatore
=179	185=	6	427	Anna University	Chennai
186	200=	14	1100	Amity University	Noida
=187	181	6	847	University of Calcutta	Kolkata
=199	207=	8	1084	Banaras Hindu University	Varanasi

© QS Quacquarelli Symonds 2004-2023, TopUniversities.com

■ चीन से आगे नकिला भारत:

- QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: एशिया 2024 में शामिल विश्वविद्यालयों की संख्या में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है, जो पछिले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है, भारत से 37 नई प्रविष्टियाँ शामिल हुईं, जबकि चीन से केवल सात ही नई प्रविष्टियाँ आईं।

■ भारत की शक्तियाँ और चुनौतियाँ:

- अनुसंधान उत्पादन और पी.एच.डी. धारक उच्च प्रशिक्षित संकाय सदस्यों के मामले में भारत बाकी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करता है, लेकिन नयिकता और शैक्षणिक प्रतियोगिता के मामले में यह पीछे है।
- भारत के अनुसंधान उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2018 से 2022 तक 60% की वृद्धि दर्शाता है, जो वैश्विक औसत से दोगुने से भी अधिक है।
- हालाँकि चीन के साथ विकास का अंतर कम हो रहा है, भारत अनुसंधान उत्पादन के मामले में आगे बढ़ रहा है।

शिक्षा और अनुसंधान से संबंधित भारतीय पहल क्या हैं?

■ विशिष्ट संस्थान योजना (IoE):

- यह 20 संस्थानों (सार्वजनिक क्षेत्र से 10 एवं नजीक क्षेत्र से 10) को विश्व स्तरीय शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों के रूप में स्थापित करने अथवा अपग्रेड करने के लिये नियामक वास्तुकला प्रदान करने की एक सरकार की योजना है, जिन्हें 'उत्कृष्ट संस्थान' कहा जाता है।

■ राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

- इसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली में स्कूल से लेकर कॉलेज स्तर तक कई बदलाव लाना तथा भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है।

■ इम्पैक्टिंग रिसर्च इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (IMPRINT):

- समावेशी विकास और आत्मनिर्भरता के लिये देश को सक्षम, सशक्त तथा प्रोत्साहित करने के लिये भारत को महत्त्वपूर्ण इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी चलाओं का सामना करना होगा और साथ ही उनका समर्थन भी करना होगा। नई शिक्षा रणनीति तथा अनुसंधान की योजना तैयार करने के लिये यह देशभर के IITs व IISC के बीच यह अपनी तरह का पहला संयुक्त प्रयास है।

■ उच्चतर अवधिकार योजना (UAY):

- इसकी घोषणा उच्च क्रम के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी जो सीधे उद्योग की ज़रूरतों को प्रभावित करता है और इस तरह भारतीय वनरिमाण की प्रतिसिद्धि बढ़त में सुधार करता है।

